PROF. SHER SINGH : The Prime Minister has already explained that there is history behind all these things. Therefore, the names are not being changed. But still in all these regiments which are of class character, it is not only the classes alone which are there....

MR. SPEAKER : He is asking, why don't you remove these names.

PROF. SHER SINGH : I have already explained it. As for induction of other classes, I can give details also.

MR. SPEAKER : He is merely asking, why don't you remove the names.

PROF. SHER SINGH : In spite of the class name other classes are also there in these regiments.

श्री छविराम अर्गल : भारत के संविधान में यह निहित है कि किसी के भी साथ धर्म, जाति, लिंग या समुदाय के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा । क्या रेजिमेंटों के ये नाम बनाये रखना भारत के संविधान का अपमान और एक हास्यास्पद स्थिति नहीं है ? मेरी जानकारी है कि जातियों के आधार पर बनाई गई इन रेजिमेंटों में दूसरी जातियों के लोगों को प्रवेश नहीं दिया जाता है और न ही अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लोगों को उन में नियुक्त किया जाता है । मराठा रेजिमेंट में केवल मराठी लोग और सिख रेजिमेंट में केवल सिख लिये जाते है, और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लोगों को उनमें उनके आरक्षण के हिसाब से भर्ती नहीं किया जाता है । क्या मंत्री महोदय यह आश्वासन देंगे कि जातियों के आधार पर रखे गये रेजिमेंटों के इन नामों को हटा कर जातिवाद को समाप्त किया जायेगा और संविधान के प्रावधानों के अनुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों को उनमें पूरा प्रतिनिधित्व दिया जायेगा ?

MR. SPEAKER : He is asking the same question. Now, let us go to Question No. 493.

Crime Cases Registered in Delhi in February, 1978

*494 DR. BALDEV PRAKASH : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) the number of cases of murder, burglaries, snatchings and assaults registered in Delhi during the month of February, 1978 ;

(b) whether there is a substantial increase in the number of these crimes ;

(c) if so, to what extent ; and

(d) the steps taken by Government to suppress the crime wave prevalent in the capital ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL) : (a) to (c) . A comparative statement of cases of murder, burglaries, snatchings and assaults registered during the months of December, 1977 January, 1978 and February, 1978 is given below :—

Head of crime	December, 77	January, 78	February, 78
Murder	17	15	9
Burglary	302	322	367
Snatching	22	12	14
Assaults	175	201	146

It will be seen that the number of cases of murder, snatchings and assaults in February 1978 have declined when compared to December, 1977.

(d) The following steps are being taken to keep the crime situation under control

(i) Foot and mobile patrolling, with wireless is being strengthened in the crime affected areas and 'Nakabandi' is being organised frequently at odd hours.

(ii) Armed pickets are also being detailed at strategic points.

(iii) Surveillance over known had characters is being strengthened and records of criminals updated.

(iv) Externment proceedings against criminals are being stepped up.

डा० बलदेव प्रकाश : अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि अपराधों को कम करने के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं जिन में अपराध-ग्रस्त क्षेत्रों में वायरलेस के साथ पैदल तथा चलती फिरती गश्त सशक्त की जा रही है और महत्वपूर्ण स्थानों पर सशक्त टुकड़ियां तैनात की जा रही हैं। इन कदमों के उठाए जाने के बाद भी इस मार्च के महीने में पिछले दो तीन दिनों में 8–10 मर्डर दिल्ली के अन्दर हो गए हैं और अखबारों में उस की बहुत चर्चा है। तो मैं पूछना चाहता हूं कि जैसे ही ये विशेष कदम उठाए गए ये अपराध बढ़े क्यों हैं, कम क्यों नहीं हुए और होली के फंक्शन पर सरकार ने पहले ही यह क्यों नहीं सोचा कि इन दिनों में कोई न कोई अपराध बढ़ सकते हैं और उसके लिए विशेष कदम क्यों नहीं उठाए गए, जिसके कि तीन चार दिनों के अन्दर 8–10 मर्डर कैपिटल के अन्दर हो गए ?

श्री धनिक लाल मंडल : अध्यक्ष महोदय, दो तीन दिनों या एक दो महीनों के आधार पर किसी प्रवृत्ति के बारे में हम लोग किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकते।

डा० बलदेव प्रकाश : मेरा सवाल तो यह था कि होली के जो दिन थे उन में क्यों सरकार ने कोई विशेष कदम नहीं उठाए जिस से कि अपराध न हों और पूरा प्रबन्ध सरकार कर ले कैपिटल के अन्दर ? अगर वैसे ही विशेष प्रबन्ध किए गए तो क्या इन दो तीन दिनों को देखते हुए कोई विशेष कदम नहीं उठाए गए थे क्योंकि होली में तो अपराध होने की विशेष संभावना है ?

गृह मंत्री (श्री चरण सिंह) : होली की वजह से डेथ्स हुई हैं, मर्डर नहीं। शराब उन्होंने गलत और ज्यादा पी ली। यानी सही शराब नहीं पी और कम नहीं पी ; इसलिए डेथ्स हुई हैं, मर्डर नहीं। मुमकिन है एकाध मर्डर हुआ हो लेकिन दस बारह या आठ दस मर्डर हो गए हों होली की वजह से यह नहीं है। एक एसाल्ट का केस है कि एक लड़की पर कोई एसाल्ट कर रहा था, तो वह जो एक न्यूज़ है उस में यह है कि ला ऐंड आर्डर सिचुएशन बहुत खराब है लेकिन एक सैंटेंस के बाद उसी न्यूज़ आइटम में यह है कि फौरन पुलिस आ गई और उन गुंडों को पकड़ कर ले गई।

डा० बलदेव प्रकाश : मैं यह पूछना चाहता हूं, जवाब के चौथे भाग में यह कहा गया है कि —

Externment proceedings against criminals are being stepped up.

तो कितने ऐसे क्रिमिनल्स हैं जिनके अगेंस्ट एक्सटर्नमेंट की प्रोसीडिंग्स शुरू की गई हैं और कितनों को दिल्ली से बाहर भेजा चुका है।

श्री चरण सिंह : कोई 250 क्रिमिनल्स हैं जिन पर प्रोसीडिंग्स चल रही हैं जो कोर्ट में ज्यादातर विचाराधीन हैं और लगभग 100 के बाहर भेजे जा चुके हैं।

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, मैं, आंकड़े क्राइम के बढ़े हैं या घटे हैं इस में नहीं जाना चाहता, यह झगड़े की बात है और मंत्री महोदय ने कुछ कदम उठाए हैं, यह भी मेरी जानकारी है। व्यक्तिगत रुचि वह ले रहे हैं होम मिनिस्टर साहब इस की भी मुझे जानकारी है। लेकिन इसके बाद भी यह तथ्य है कि दिल्ली के लोगों में सेक्योरिटी की फीलिंग दिन पर दिन कम होती जा रही है महिलाओं में खास तौर से। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं, लोगों में सेक्योरिटी की फीलिंग आए और वे विश्वास के साथ दिन में चल सके इसके लिए वे क्या कर रहे हैं ? क्योंकि आज कल तो रात के बजाय डयूरिंग डे जितने क्रिमिनल्स हैं वे आपरेट करते है, डयूरिंग वर्किंग आवर्स आपरेट करते हैं, तो मैं पूछना

चाहता हूं कि आप ने जो मीटिंग बुलायी थी उस में तीन चार डिसीशंस लिए थे, एक यह है कि पोस्ट बढ़ायी जायगी, आपने दूसरा डिसीज़न यह लिया था कि कुछ नये पुलिस स्टेशन खोले जायेंगे और कुछ यहां के लोगों को दूसरी स्टेट्स में ट्रांसफर कर दिया जायेगा। यह तीन चार महत्वपूर्ण डिसीज़न लिये थे उनके सम्बन्ध में अभी तक क्या प्रोग्रेस हुई है और जो ले० गवर्नर हर महीने मीटिंग बुलाते थे वह भी उन्होंने बन्द कर दी, उसका क्या कारण है?

श्री चरण सिंह : माननीय मित्र का यह कहना है कि माना क्राइम्स कम हो गये होंगे लेकिन लोगों के मन पर छाप है कि क्राइम्स बढ़ रहे हैं तो यह हो सकता है, मैं इस बात से इनकार नहीं करता लेकिन गवर्नमेन्ट के पास जो भी साधन हैं और जो उनके पास सूचना है उसी के आधार पर चल सकते हैं। माननीय मित्र जो सुझाव देंगे उन पर हम अमल करने के लिए तैयार हैं लेकिन मैं कुछ आंकड़े पढ़ता हूं जिनसे तथ्य मालूम हो सके। यह कहना कि आंकड़े क्या कहते हैं उससे मतलब नहीं, ठीक है, अपना अपना आर्गूमेन्ट है लेकिन आंकड़ों की बेसिस पर हम प्लानिंग करते हैं और कंवरलाल गुप्त जी भी आंकड़ों की बेसिस पर प्लानिंग करके अपना घर चलाते होंगे। (**व्यवधान**) मैं क्राइम्स के आंकड़े दे रहा हूं। डकैती में सन् 1970 में फी लाख 0.74, 1974 में 0.6 और 1977 में 0.36।

अब आप मर्डर्स लीजिए इन्हीं तीनों सालों के। 1970 में फी लाख 3.4, 1974 में 3.7 और 1977 में 3.4। यह घटे नहीं लेकिन 1974 के मुकाबले घटे हैं। अटेम्ट टू मर्डर 1970 में 3.47, 1974 में 5.85 और 1977 में 3.9। रॉबरी 1970 में 9.26, 1972 में 7.3 और 1977 में 6.7। अब आप रायट्स लीजिए। यह ऐसे क्राइम्स हैं जो कि छिपाए नहीं जा सकते हैं। और क्राइम्स छिप सकते हैं लेकिन रायट्स को कंसील नहीं किया जा सकता। रायट्स 1970 में 5.12, 1974 में 7.0 और 1977 में 2.7। बर्गलरी 1970 में 91.8, 1974 में 59.0 और 1977 में 50.6। इसी तरह से थेफ्ट 1970 में 454, 1974 में 436 और 1977 में 411।

अब जो मिस्लेनियस क्राइम्स आई० पी० सी० में मुख्तलिफ किस्म के हैं वह 1970 में 229, 1974 में 205 और 1977 में 200। टोटल 1970 में 796.9 और 1974 में 724.34 और 1977 में 670।

जो आंकड़े हैं वह यह बतलाते हैं। यह दूसरी बात है कि माननीय कंवर लाल जी गुप्त यहां रिवाज आंकड़ों पर अमल करने का न हो। मैं मानता हूं कि कुछ स्नैचिंग्ज़ वगैरह ज्यादा हुई हैं लेकिन अगर बुरा न मानें कंवर लाल जी तो उसका एक कारण है। देहली की पर कैपिटा इनकम सबसे ज्यादा है—बम्बई और कलकत्ता से भी ज्यादा है लिहाज़ा ज्यादा कीमती जेवर पहने जा रहे हैं।

श्री कंवर लाल गुप्त : कम से कम एनफरेज तो न कीजिए यह कह कर।

श्री चरण सिंह : मुझे मिस-अंडरस्टेंड मत कीजिए। दूसरा कारण यह है कि दिल्ली मार्डन सिटी है। मार्डनिज्म जहां ज्यादा बढ़ता जा रहा है और जहां मौजूदा सिविलिज़शन में शहर ज्यादा बढ़ते जा रहे हैं वहां क्राइम्स बढ़ रहे हैं—इससे इनकार नहीं कर सकते। नतीजा यह हो रहा है, आपने अभी खबर पढ़ी होगी कि पोल्यूशन, क्राइम्स और आर्टिफिशल लाइफ की वजह से अब अमरीका में लोग बड़े-बड़े शहरों को छोड़ कर भाग रहे हैं? पिछले साल वहां शहरों की आबादी 17.4 मिलियन कम हो गई। गवर्नमेन्ट की पालिसी है कि शहरों को ज्यादा न बढ़ने

दिया जाये लेकिन तरह तरह की दलीलें दी जाती हैं, हम लोगों के सामने आती हैं मसलन एलेक्ट्रिफिकेशन का केन्द्र, आल इंडिया आफिस यहां होना चाहिए। नतीजा यह हो रहा है कि शहर बढ़ते जा रहे हैं। शहर जितने बढ़ेंगे उतने क्राइम्स बढ़ेंगे, उनको कोई रोक नहीं सकेगा।

जहां तक मर्डर्स का सवाल है, वह ज्यादातर फैशन से होते हैं, प्रीमेडिटेटेड बहुत कम होते हैं तो उसमें पुलिस क्या करेगी। लेकिन मेरी खुद इसमें तसल्ली नहीं है। कई दफा मेरी बातें आफिसर्स से हो चुकी हैं।

SHRI A. K. ROY: The Minister must be precise in his answer.

श्री चरण सिंह: माननीय सदस्य ने सुझाव दिया है कि इनको स्ट्रेन्थ बढ़ाई जाय, यह ठीक है, हम ने फैसला किया है और अभी कुछ थोड़ी सी बढ़ने वाली है। लेकिन मैं एक बात बतलाना चाहता हूं—दिल्ली में फ़ी लाख आबादी के पीछे सबसे ज्यादा पुलिस है मुझे यह बात पहले मालूम नहीं थी, आज ही मालूम हुई है, बल्कि यूरोप, अमरीका और दूसरे कुछ मुल्कों के मुकाबले दिल्ली में फ़ी लाख आबादी के पीछे ज्यादा पुलिस-मेन हैं। यह बात ज़रूर है दूसरे देशों के शहरों में पुलिस के पास इन्वेस्टीगेशन की ज्यादा सुविधायें हैं, उतनी सुविधायें यहां नहीं हैं, इसलिये तादाद का कम होना जुर्म के बढ़ने का विशेष कारण नहीं है।

आपने दूसरा सवाल क्या पूछा था?

MR. SPEAKER : No, no. The Home Ministry's Demands will come up for discussion.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : The Minister is asking my question, he has forgotten the other point. I am telling him what I wanted to ask him, I am not adding anything to it.

My point is that there was a certain decision taken by him in our presence, for instance, of sending some corrupt officers from Delhi to their States. So, what progress has been made in that respect?

श्री चरण सिंह: इसमें करप्ट और इन-करप्ट की बात नहीं थी, बात यह थी कि बहुत से दिल्ली शहर के रहने वाले अफसरान दिल्ली में ही तैनात थे। अच्छे एडमिनिस्ट्रेशन का उसूल यह है कि जो अफसर जहां का रहने वाला हो या जिसका जहां पर रेज़िडेंस हो, उसको वहीं पर तैनात नहीं किया जाना चाहिये, इसलिये हमने कुछ तबदीलियां की हैं। अगर आप इजाज़त दें तो मैं यह भी अर्ज़ कर दूं—जो तबादले हम ने बड़े अफसरों के किये हैं, उनमें मुझ पर कितना दबाव पड़ा है, श्री कंवर लाल गुप्ता को भी इसकी वाकफ़ियत है।

अब जहां तक सब-इंस्पैक्टर्स के तबादले की बात है—मुश्किल यह है कि इनका ट्रांस्फर कहां करें? अगर कोई मेरठ का हो तो उसको अलीगढ़ ट्रांस्फर कर दीजिये, अलीगढ़ वाले को देवरिया कर दीजिये, लेकिन यहां तो दिल्ली से दिल्ली में ही ट्रांस्फल हो सकता है, क्योंकि दिल्ली एक शहर है और उसकी अपनी पुलिस है। दिल्ली चूंकि यूनियन टैरिटरी है, इसलिये ज्यादा से ज्यादा उसका अण्डेमान ट्रांस्फर कर सकते हैं, लेकिन यह कुछ मुनासिब नहीं मालूम होता है। तो इस किस्म की कठिनाई है, जिसका अभी बहुत सन्तोषजनक हल नहीं निकल पाया है।

SHRI NANASAHIB BONDE: He says that the worst of the goondas have been transferred from this place to another place just to check criminal offences. I want to ask him specifically whether this policy is better, desirable or in the interests of the nation, to send them away from a place where there are sufficient means to control them, whether it is desirable to send these notorious goondas to other places and create troubles all the more there where they cannot be controlled. My point is that there is every necessity of changing this policy, failing which these goondas are capable of creating more trouble at other places where they cannot be checked.

SHRI CHARAN SINGH: That is a simple objection that could possibly be raised to this system, but experience has proved that goondas, when they are isolated from their surroundings, when they are sent to new surrounding, are not able to commit crimes for quite a considerable time, unless they develop contacts, they make friendships etc. So, if a man from Delhi goes to Ghaziabad, he will not be that effective.

Micro Wave Tower near Agra

*495. SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether a micro wave transmission tower is being erected in village Tora, eight kilometres from Agra;

(b) if so, what advantages will be derived from it;

(c) whether it will extend the effective range of Television station of Delhi and bring Agra and its neighbouring areas within its range; and

(d) if not, whether Government propose to construct a television station or at least a relaying centre at Agra?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING : (SHRI L. K. ADVANI) : (a) Yes, Sir.

(b) This Micro-wave station has been engineered as part of the project for interconnecting metropolitan centres at Delhi and Calcutta for the purpose of transmission of TV and tele-communication facilities. A few telephone/telegraph channels from and to Agra will also be provided from this Station.

(c) and (d). This facility cannot automatically extend Delhi TV Transmissions to Agra. It is however, possible to extract or inject the TV signals either from Delhi or Calcutta direction and relay the same through a TV Relay Centre at Agra. There is however, no proposal at present to set up a TV Station or a relaying Centre at Agra.

SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI: Agra is a well known tourist, cultural and educational centre in the country and there has been a long and persistent demand for a television station there. It has a number of five-star and other hotels, but incongrously enough lacks what for the tourist is a common amenity of life—Television. It is the Seat of a University and has a number of post-graduate colleges and institutes with rich talent to participate in the programmes. I need hardly add that Agra was the capital of this country even Delhi rose to this eminence. I may point out that the benefits of starting a TV centre at Agra will not only go to UP but to Rajasthan and Madhya Pradesh also because Agra is so situated. It has produced a number of poets like Mia Nazir, Mirza Ghalib, Surdas, Satyanarayan. It was the sadhana sthali of Surdas. By starting a TV centre there, you will be doing an honour to these poets and many distinguished musicians whose *gharanas* are still continuing the tradition. In view of this, when a transmission Tower is being erected at Agra, why is it not possible to extend the benefits of TV transmission to Agra itself?

SHRI L. K. ADVANI: The hon. Member has spoken about the cultural associations of Agra. No one can deny that. But the point that is being made is since a micro-wave tower is being set up near Agra, it should be possible for us to extend our TV transmission of Delhi to Agra also. I would like to point out that even for the purpose of a relay centre, merely having a micro-wave tower is not sufficient. Even after that, we would have to have a transmitter there and for that purposes, even a relay centre would cost Rs. 1·3 crores plus the cost of co-axial cables that would be needed to link the tower with the relay centre. Because of financial constraint, at present, there is no proposal to set up a TV relay centre at Agra.

SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI. To what extent the cost of putting a relay centre will be reduced because of the erection of this tower? What are the criteria for setting up a television relay centre in the country?

SHRI L. K. ADVANI: This does not at all reduce the cost of the TV relay transmitter itself. The TV relay transmitter would cost Rs. 1·3 crores by itself.

This linkage is for two purposes, for telecommunications and also it can be utilised for TV. But the fact that we have a linkage does not by itself enable us to transmit Delhi programmes to Agra and for that I would only like to point out that it means an additional cost of Rs. 1·5 crores which, at the moment, is not possible.

The second point is that particularly after the coming of the new Government, the approach has been that TV extension can be justified only when it can serve the cause of development and mass rural education. This is the broad approach.